Formulation of contents, Selection of Content designing syllabus for Constructing Knowledge among the learners

पाठ्यवस्तु का नियमन, अन्तर्वस्तु का चयन, अधिगमकर्ता के मध्य ज्ञान प्रस्तावित करने हेतु पाठ्यवस्तु का प्रकल्प करना।

Content – पाठ्यसामग्री / अन्तर्वस्तु

Introduction / meaning

पाठ्यसामग्री के सिद्धान्तो की पहचान

Recognising the principles of Content

1. पाठ्यसामग्री के स्रोत (Sources of Content)
2. पाठ्यसामग्री चयन के मूल आधार
   Basis of content Selection
3. पाठ्यसामग्री चयन की प्रमुख समस्याएँ
   Major problems of content selection
4. पाठ्यसामग्री चयन के मानदण्ड ~~criteria~~
   Criteria of Content Selection

Scanned with CamScanner

(5) पाठ्यसामग्री चयन प्रक्रिया के पद
(Steps in the process of Content Selection)

2 → पाठ्यसामग्री चयन के मूल आधार
Basis of Content Selection

(i) उपयोगिता तथा सार्थकता
(ii) शिक्षण विधियाँ
(iii) विद्यालय का स्वरूप
(iv) शिक्षा की मात्रा

3 — पाठ्यसामग्री चयन की समस्याएँ
Problems of Content Selection

(1) छात्रों की वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताएँ
Present and future Needs of Students

(2) वर्तमान तथा निकट भविष्य में शिक्षार्थी ~~की~~ संख्या की प्रकृति एवं संरचना।
Nature and Composition of the Student population at present and in immediate future

(4) पाठ्यसामग्री चयन के मानदण्ड
(Criteria of Content Selection)

(1) ~~तकनीकी दृ~~

पाठ्यसामग्री चयन के मुख्य मानदण्ड
(Primary Criteria for Content Selection

(1) वैधता (Validity)

(क) तकनीकी दृष्टिकोण
(ख) यथा
(ग)

(B) पाठ्यसामग्री की प्रामाणिकता
(C) पाठ्यसामग्री के चयन में की जाने वाली भूलों के दृष्टिकोण से

(2) महत्व

(i) इस विषय की आधारभूत संकल्पनाएँ तथा अवधारणाएँ क्या हैं।

(ii) इस विषय से सम्बन्धित वे कौन-2 से सिद्धान्त हैं जो उनकी सीमाओं को पार करके दूसरे क्षेत्रों तक भी पहुँचते हैं।

Scanned with CamScanner

School Subjects with practical knowledge, Community knowledge intuitive knowledge and tacit knowledge

विद्यालय विषय ज्ञान, प्रयोगात्मक ज्ञान, सामुदायिक ज्ञान, अन्तर्ज्ञानात्मक ज्ञान तथा मौन ज्ञान

Intuitive — इन्टूयुइटिव — अंतर्ज्ञानमूलक, सहजज्ञान युक्त, अंतग अंतर्ज्ञानात्मक

Intuitive — इन्ट्युचिटव

Tacit — टैसिट — मौन ज्ञान

Practical Knowledge

⇒ Meaning of Practical Knowledge

① व्यावहारिक या प्रायोगिक ज्ञान का अर्थ

② Aspects Related with Practical Knowledge

प्रायोगिक ज्ञान के सम्बन्धित पहलू

3) Need and Importance of Practical Knowledge in School Subjects.

विद्यालयी विषयों मे प्रायोगिक ज्ञान की आवश्यकता एवं महत्व

Scanned with CamScanner

Horticulture - हॉर्टिकल्चर

उद्यान विज्ञान द्वारा निम्नलिखित रूप में अधिगम का सृजनात्मक विकास सम्भव होता है —

1. गहन अध्ययन Deep study
2. उत्सुकता का विकास Development of curiosity
3. कल्पना का विकास Development of imagination
4. समस्या समाधान की योग्यता Development of ability problem solving
5. सहसम्बन्ध स्थापित करना ~~Development of~~ Ability of establishment of correlation
6. अनुशासनिक ज्ञान - Disciplinary knowledge
7. अधिगम का व्यावहारिक प्रयोग Practical use of learning
8. अधिगम का स्थानान्तरण Transfer of learning

Hospitality - हॉस्पिटैलिटी - आतिथ्य सत्कार, मेहमानदारी

creativity development of learning through Hospitality

आतिथ्य सत्कार द्वारा अधिगम का सृजनात्मक विकास